वाणिज्य में स्नातक (जनरल)
बी. कॉम (जी.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -135: कंपनी विधि

सत्रीय कार्य
2025–26

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2025 से 30th जून 2026

तृतीय सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

वाणिज्य में स्नातक जनरल (बी. कॉम. जी.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -135: कंपनी विधि

सत्रीय कार्य 2025–26

प्रिय छात्र / छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है । तीनों खंड अनिवार्य हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसम्बर 2025 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2025 तक जमा करवायें।
2. वे छात्र जो जून 2026 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2026 तक जमा करवाना होगा।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. सी. -135**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**कंपनी विधि**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी.सी.ओ.सी.-135/टी. एम. ए./2025 - 26**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

खण्ड – क (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

1. 'कम्पनी शाश्वत उत्तराधिकार वाली और विधि द्वारा निर्मित एक कृत्रिम व्यक्ति है और जिस सदस्यों से यह बनती है उनके व्यक्तित्व से भिन्न होती है'। टिप्पणी कीजिए। (10)

2. निजी कम्पनी की परिभाषा कीजिए। निजी कम्पनी तथा सार्वजनिक कम्पनी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।निजी कम्पनी को सार्वजनिक कम्पनी में परिवर्तित करने की विधि बताइए। (10)

3. निगमन का प्रमाण-पत्र इस बात का निश्चायक प्रमाण है कि कम्पनी अधिनियम द्वारा निर्धारित कम्पनी के निर्माण सम्बन्धी सभी आवश्यकताएं पूरी कर ली गई है स्पष्ट कीजिए। (10)

4. सीमानियम से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।सीमानियम में शामिल विभिन्न खंडों की सूची बनाइए। (10)

5. शेयरों को जब्त करने की विधि की व्याख्या कीजिए। जब्ती का क्या प्रभाव होता है? शेयरों की जब्ती शेयरों के अभ्यर्पण से किस प्रकार भिन्न होती है ? (10)

खण्ड – ख (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 6अंक के हैं)

6. निदेशकों की नियुक्ति के सम्बन्ध में कम्पनी अधिनियम द्वारा क्या प्रतिबन्ध लगाए गए हैं? (6)

7. अधिकरण द्वारा कम्पनी के समापन की व्याख्या कीजिए। (6)

8. वार्षिक साधारण सभा का क्या महत्व है? इस सभा में सामान्यतः क्या-क्या कार्य किए जाते हैं ? (6)

9. प्रतिभूतियों के प्राइवेट प्लेसमेंट से आप क्या समझते हैं। शेयरों के प्राईवेट प्लेसमेंट की शर्तों की चर्चा कीजिए। (6)

10. व्हिसल ब्लॉइग से आप क्या समझते है ? उस व्यक्ति को क्या सुरक्षा उपलब्ध है जो प्रकटीकरण करते हैं ? (6)

खण्ड – ग (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक के हैं)

11. शक्तिबाह्य सिद्धान्त को उपयुक्त उदाहरण दे कर समझाइए। (5)

12. सीमानियम तथा अन्तर्नियम में क्या अन्तर है? (5)

13. नियंत्रक कम्पनी और नियंत्रित कम्पनी में भेद कीजिए। किसी कम्पनी को दूसरी कम्पनी की नियत्रित कम्पनी कब कहा जा सकता है ? व्याख्या कीजिए । (5)

14. "प्रवर्तक तो कम्पनी का एजेंट है और न ही न्यासी परन्तु उसकी कम्पनी के प्रति वैश्वासिक स्थिति होती है।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए (5)